RE: DISCUSSION ON KASHMIR

Shri H. N. Mukerjee (Calcutta Central): A few days ago, there was a request from many parts of this House that there should be a discussion in regard to the Kashmir issue and Sheikh Abdullah's visit in relation thereto. It was conveyed to the Prime Minister through the Minister of Parliamentary Affairs. It is almost the unanimous desire of the House that before we rise the Prime Minister gives us some idea, in whatsoever way he deems fit, in regar to what has happened so far, because all kinds of reports are appearing in the papers and these reports are sometimes rather disquieting. The House at least has the right, in all fairness, to be apprised of the kind of thing which is taking place and also to be given an assurance directly by the Prime Minister that no decision of any moment is going to be taken behind the back of the House.

We know we are meeting again on the 27th; it may very well be that talks with Sheikh Abdullah and other cognate matters might continue during this interim period. I wish godspeed to the efforts and wish that they end in an adequate and satisfactory solution but, in any case, before we adjourn, it is very necessary that we hear from the Prime Minister directly as to what has happened and what is likely to happen, and I do hope also that nothing would be said or done in this behalf today which would in any case queer the pitch for whatever settlement we can arrive at.

Shrimati Renu Chakravartty (Barrackpore): What is this Rajaji and Sheikh Abdullah talks?

13 hrs.

The Prime Minister and Minister of External Affairs and Minister of Atomic Energy (Shri Jawaharlal Nehru): I can quite understand the desire of the Hosue to be acquainted with what is happening in the so-called talks.

Shr Hari Vishnu Kamath (Hoshangabad): Why so-called?

Shri Jawaharlal Nehru: Sheikh Abdullah has been away for a few days. He went to Wardha to meet Vinobaji and then for a few hours to Madras to meet Rajaji.

Shri S. M. Banerjee (Kanpur): That is dangerous.

Shri Jawaharlal Nehru: He came back last night. I saw him for a very short time this morning. I hope to see him again. I do not quite know in detail the talks he has had, but he gave me to understand something about what transpired between him and those persons he went to see. (*Interruption*). I am afraid it is a bit difficult for me to repeat what he has told me about his talks with Vinobaji or Rajaji, because by themselves they will not be quite understood. unless I go into the background a great deal. All I can say is that, as Mr. Mukerjee said, nothing is going to be agreed to or settled without reference to this House.

The talks are mostly concerned with wider issues rather than the immediate issues that hon. Members may have in their mind. The immediate issues are important, of course, but certain wider issues have to be taken into consideration and they relate to that. That is why it is a little difficult to refer to them briefly. So, I should like the indulgence of the House not to press me to go further into this matter now. But no agreement—if I may use the word; I do not know if it is the right word—would be arrived at without reference to this House.

श्री हुकमचन्द कछवाय (देवास) : सभा की राय के लिए इस को छोड़ा गया

[श्री हुकम चन्द कछवाय]

या और बात चीत हो रही है बिना सभा से पूछे हुए ।

श्री प्रकाशवीर शास्त्री (बिजनौर) : मैं प्रधान मंत्री को इस बात के लिये धन्यवाद देते हुए कि उन्होंने सदन को आश्वासन दिया है कि बिना इस सदन को विश्वास में लिए हुए वह कोई नया समझौता नहीं करेंगे या नया निर्णय नहीं लेंगे, केवल इतना कहना चाहता हूं कि जैसा कि समाचारपत्रों में आ रहा है, शेख अब्दुल्ला से मिलने के लिए पाकिस्तान के हाई कमिश्नर आये और उन्होंने उन को पाकिस्तान आने का निमंत्रण दिया । क्या किसी सामान्य भारतीय नागरिक से इस तरह से किसी दूसरे देश के हाई कमिश्नर का मिलना, उस को पाकिस्तान जाने का निमंत्रण देना, उससे बातचीत करना उचित है । कल के "डान" में यह भी निकला है कि यहां से, कराची से, उन्होंने टेलीफोन पर बात चीत भी की, जो संभवत: प्राईम मिनिस्टर के हाउस से ही हुई होगी । तो जो यह सारी बातें हुई हैं क्या उन से कोई अनुकूल निर्णय लेने में सुविधा रहेगी । इन बातों के सम्बन्ध में भी सतर्कता रखनी चाहिये ।

श्री बड़े (खारगोन) : जब यहां बात चीत चल रही है तब काश्मीर में इतनी समस्यायें पैदा हो गई हैं कि वहां पर जीवन बड़ा कठिन हो गया है । ला और आर्डर चला गया है । और इस तरह की टाक्स को सपोर्ट करने के बजाय वहां का वातावरण इतना क्षुब्ध हो गया है कि वहां हिन्दुओं का रहना बड़ा मुश्किल हो गया है इस तरफ भी हमारे प्राइम मिनिस्टर ध्यान दें ।

Shri S. M. Banerjee: I do not want to press the Prime Minister to say anything. But I want to draw his kind attention to the very seditious type of statements made by very important leaders of the Swatantra Party and unimportant leader like Mr. Masani. During the Chinese aggression. those who challenged the integrity and sovereignty of the country were put behind bars. I want to know whether such statements issued by the Swatantra Party or Shri Jayaprakash Narain will be banned. I want a clear answer to this question. (*Interruptions*).

Shri Ranga (Chittoor): May I be permitted to say, Sir, that Mr. Masani happens to be the Deputy Leader of the Swatantra Party and also the General Secretary? My hon. friend, however important he may be, represents only himself and nobody else. (*Interruptions*).

श्री रामेश्वरानन्द (करनाल) : अध्यक्ष महोदय

अध्यक्ष महोदय : स्वामी जी, यह मामला ऐसा नहीं है जिस पर हम ज्यादा बातचीत चलायें ।

श्री रामेश्वरानन्द : मैं एक ही बात पूछना चाहता हूं, ज्यादा नहीं पूछना चाहता ।

अध्यक्ष महोदय : अगर आप इस के लिए जिद्द करेंगे तो मुझे दूसरों को भी .

श्री रामेश्वरानन्द : मैं निवेदन करना चाहता हूं कि बिल्कुल छोटी सी बात मैं पूछना चाहता हूं । प्रधान मंत्री महोदय ने अभी विश्वास दिलाया कि कोई बात बिना सदन से पूछे नहीं की जायेगी, यह बात धन्यवाद के योग्य है, लेकिन मैं उन से जानना चाहता हूं कि क्या काश्मीर के सम्बन्ध में कोई फैसला होने से शेष रह गया है । मैं केवल इतना जानना चाहता हूं, और कुछ नहीं ।

अध्यक्ष महोदय : मैं आखिर कितने सवालों की इजाजत देता चला जाऊंगा ।

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : प्रधान मंत्री मेरे प्रश्न का उत्तर दे रहे थे ।

अध्यक्ष महोदय : अगर आप के दूसरे साथी खड़े हो गये तो मैं क्या करूं। आप कहते रहे, वे न जवाब देने देते हैं और न कुछ काम करने देते हैं।

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : प्रधान मंत्री उत्तर दे रहे हैं।

श्री जवाहरलाल नेहरू : जो कुछ श्री प्रकाशवीर शास्त्री ने कहा मैं सिर्फ उसकी निस्बत कहना चाहता था कि पाकिस्तान के हाई कमिश्नर साहब शेख अब्दुल्ला से मिलने आये थे। वह मिलने आये थे और बाद में मैंने सुना कि उन्होंने उनको निमंत्रण दिया। वह उसे पाकिस्तान से लाये थे। इतना मैं जानता हूं। कोई कायदा कानून नहीं है। वह दे सकते थे। वह मिलने आये थे, मैं ने उन्हें मना नहीं किया। हम चाहते तो कह देते कि न आइये, लेकिन मैं ने ऐसा उचित नहीं समझा और उन्होंने निमंत्रण दिया था। जहां तक मुझे इल्म है, शेख साहब ने कोई खास उसका जवाब नहीं दिया। वह उस पर विचार करेंगे।

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : टेलिफोन जो किया गया है।

श्री रामेश्वरानन्द : मेरा प्रश्न रह गया।

अध्यक्ष महोदय : अब आप बैठ जाइये। आप ने एक प्रश्न के लिये कहा था और वह कर लिया।

श्री रामेश्वरानन्द : क्या काश्मीर का फैसला कुछ और होना बाकी है।

अध्यक्ष महोदय : अब आप बैठ जाइये।

श्री रामसेवक यादव : मैं केवल एक प्रश्न पूछना चाहता हूं।

अध्यक्ष महोदय : अगर हर एक आदमी कुछ न कुछ कहता ही चले तो हमारा काम नहीं हो सकता है शाम तक।

श्री रामसेवक यादव (बाराबंकी) : मैं एक ही महत्वपूर्ण सवाल करना चाहता हूं।

अध्यक्ष महोदय : यह महत्वपूर्ण सवाल है लेकिन हम बहस नहीं कर सकते। उस दिन भी

श्री रामसेवक यादव : मैं दूसरी बात कह रहा हूं।

श्री योगेन्द्र झा (मधुबनी) : नेपाल नरेश के साथ जो बात चीत अभी प्रधान मंत्री ने की उसके सम्बन्ध में भी प्रधान मंत्री को कोई बयान देना चाहिये।

अध्यक्ष महोदय : उस दिन भी यह बात हुई थी और श्री हीरेन मुकर्जी ने भी यह बात कही थी कि हमें प्राइम मिनिस्टर साहब पर छोड़ना पड़ेगा कि सेशन के आखीर में अगर वह चाहें, और जिस कदर चाहें या जो मुनासिब समझें, तो उतनी इत्तला इस हाउस को दें। इस वक्त जब कि बातचीत चल रही हो, हमारा किसी बात पर जोर देना कि आज हम इस बात पर यह जानना चाहते हैं या वह जानना चाहते हैं, यह फायदेमन्द नहीं होगा।

श्री रामसेवक यादव : जो बातचीत चल रही है उसी सिलसिले में मैं जानना चाहता हूं, कोई नई बात नहीं पूछना चाहता। आपके द्वारा मैं इतना जानना चाहता हूं कि माननीय जयप्रकाश नारायण की शेख अब्दुल्ला से जो बातचीत चल रही है, क्या इस सम्बन्ध में भारत सरकार और खास तौर से प्रधान मंत्री की अनुमति है इसलिये वह बातचीत हुई है।

(Interruptions)

श्री जवाहरलाल नेहरू: जी नहीं, मुझे मालूम नहीं कि उन की क्या बातें हुई हैं। मैं वहां मोजूद नहीं था, और मेरा खयाल है कि वह यहां हैं भी नहीं, जयप्रकाश जी चले गये। (इंटरप्शंस)

श्री रामेश्वरानन्द : सब प्रश्नों का उत्तर दे दिया गया, मेरा प्रश्न शेष है। मैं जानना

[श्री रामेश्वरानन्द]

चाहता हूं कि क्या काश्मीर समस्या का समाधान दुबारा शेख अब्दुल्ला के द्वारा होने वाला है ।

अध्यक्ष महोदय : आर्डर आर्डर। अगर मेम्बर साहबान इस तरह से बोलते चले जायेंगे तो कारंवाई नहीं हो सकेगी । अब आप बैठ जाइये ।

श्री हुकम चन्द कछवाय : मेरा बड़ा महत्वपूर्ण सवाल है ।

अध्यक्ष महोदय : मैं जानता हूं बड़े महत्व का सवाल है, लेकिन अब आप बैठ जायें ।

श्री कछवाय : पाकिस्तान के बारे में हम क्या कर रहे हैं ?

अध्यक्ष महोदय : अब आप बैठ जाइये । मैं और इजाजत नहीं दे सकता । हाउस की मर्जी यह है कि इस पर बहस न की जाये । मैं खयाल करता हूं कि हाउस मेरे साथ इत्तफ़ाक करता है कि इस पर और कोई बहस न की जाये ।

श्री रामसेवक यादव : अध्यक्ष महोदय, मेरा इतना निवेदन है

Mr. Speaker: The hon. Members will sit down.

13.10 hrs.

STATEMENT *RE*: NEXT SESSION OF LOK SABHA

The Minister of Parliamentary Affairs (Shri Satya Narayan Sinha): Mr. Speaker, Sir, I learn that there was a demand from certain sections of the House about a statement from me to indicate the date of commencement of the next session. In deference to this demand, I inform the House, with your permission, that the Government have decided that the President be advised to summon the next session of the Lok Sabha on the 27th of May, 1964. Subject to exigencies of Government business, the session may continue up to Friday, the 5th of June. 1964.

It would take same time to decide upon relative *inter se* priorities of Government Business to be transacted during the session and we would in due course inform the Lok Sabha Secretariat about it. But at this stage I can only state that the most important business to be transacted would be the Constitution (19th Amendment) Bill. We would also take up some of the pending Bills, particularly those which have to be referred to Joint Committees.

Shri Hari Vishnu Kamath (Hoshangabad): Sir, I rise on a point of clarification. Though the Prime Minister, rightly and happily, indicated that no decision on the Kashmir issue would be taken without this House being consulted about it, yet there is no indication in this statement that the Kashmir issue will be discussed in the next session.

Mr. Speaker: That will be seen. We cannot say that at this moment.

श्री रामसेवक यादव (बाराबंकी) : अध्यक्ष महोदय . . . .

अध्यक्ष महोदय : अब इसके बारे में क्या कहना है ।

Shri Hem Barua (Gauhati): Sir, I want to oppose this special session.

Mr. Speaker: Now he cannot oppose it.

Shri Hem Barua: I want to make a submission.

Mr. Speaker: No, no

Some hon. Members